SHRI MITHUN CHAKRABORTY

Shri Mithun Chakraborty is an actor in Indian cinema who has the unique distinction of portraying lead roles in more than 270-300 films. He is the first Indian actor to have taken commercial Hindi cinema overseas and popularising it. His iconic status especially in Eastern Europe and Russia inspired the common man to attain success in his endeavours. He is most often termed as the last Superstar of Indian Cinema who rose from ashes to the skies.

2. Born on 16th June, 1950, Shri Chakraborty received worldwide recognition from his very first film Mrigaya released in 1976 where he played a tribal young boy. At the age of 27, he was one of the few actors to receive coveted Best Actor Award during National Film Awards for this film in the following year 1977. He won the award in his very first film. He went on to win the National film Awards for his acting twice more, one for the Bengali film Tahader Katha portraying a freedom fighter and another for film Swami Vivekanand, where he performed the role of Ramkrishna Paramhans. He also holds a world record of Limca for having the maximum releases in one year. He is a graduate from the coveted film institute of India, The Film and Television Institute of India, Pune. Having worked in the movies made in languages like Hindi, Bengali, Tamil, Telugu, Kannada, Odia, Punjabi and Bhojpuri, he enjoys a cult status in the folklore of India cinema and is one of the few actors who also have inspired comic book series on him.

3. Shri Chakraborty has been active in the field of social service and hospitality business for long and he also relentlessly fought and made everyone aware of the disease called Thalasemia. He has been the Chairman of the allied Muzdoor union for 30 years and also was the President of Cine and TV artists association (CINTAA). His pioneering work for welfare of cine workers in Mumbai has been highly appreciated in the Indian film industry.

4. Shri Chakraborty has been one amongst the highest income tax payers of India from the financial year 1994-95 to financial year 1998-99 and for this contribution to the nation building, he was awarded a merit certificate by Government of India. He is the pioneer in making small and medium budget cinema and thus opening doors of film industry to more skilled people and also creating huge opportunities for first time producers, directors and actors. He is the first actor to inspire girls and boys to train in self-defense arts and also for daily routine for physical fitness. His songs from the movie Disco Dancer have been a rage since its release and its song Jimmy Jimmy has a record of highest number of reels made on it during the covid period. He has been voted the most influential personality in the film industry and has been actively promoting Indian culture worldwide.

5. Shri Chakraborty has won several awards for his performances including Filmfare, Screen and many Critic awards. He has won many acting awards from the distinguished publishing houses and film critics association.

श्री मिथुन चक्रवर्ती

श्री मिथुन चक्रवर्ती भारतीय सिनेमा के एक ऐसे अभिनेता हैं, जिन्हें 270–300 से अधिक फिल्मों में नायक की भूमिका निभाने का अनूठा गौरव प्राप्त है। वह पहले भारतीय अभिनेता हैं जिन्होंने कॉमर्शियल हिंदी सिनेमा को विदेशों तक पहुंचाया और लोकप्रिय बनाया। खास तौर पर पूर्वी यूरोप और रूस में उनकी लोकप्रियता ने आम आदमी को अपने प्रयासों में कामयाब होने के लिए प्रेरित किया। उन्हें अक्सर भारतीय सिनेमा का आखिरी सुपरस्टार कहा जाता है जो जमीन से आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचा।

2. 16 जून 1950 को जन्मे श्री चक्रवर्ती को वर्ष 1976 में रिलीज हुई अपनी पहली ही फिल्म मृगया से दुनिया भर में पहचान मिली, जिसमें उन्होंने एक आदिवासी युवक की भूमिका निभाई थी। अगले वर्ष 1977 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के दौरान 27 साल की उम्र में वह इस फिल्म के लिए प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीतने वाले चंद अभिनेताओं में से एक बने। उन्हें अपनी पहली ही फिल्म में यह पुरस्कार मिल गया। उन्होंने अपने अभिनय के लिए दो बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते, एक बंगाली फिल्म ताहादेर कथा के लिए जिसमें उन्होंने एक स्वतंत्रता सेनानी का किरदार निभाया था और दूसरा फिल्म स्वामी विवेकानंद के लिए, जहां उन्होंने रामकृष्ण परमहंस की भूमिका निभाई थी। एक वर्ष में सबसे ज्यादा फिल्म रिलीज होने का लिम्का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी उनके नाम है। वह भारत के प्रतिष्ठित फिल्म संस्थान, द फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे से ग्रेजुएट हैं। हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, उड़िया, पंजाबी और भोजपुरी जैसी भाषाओं की फिल्मों में काम करने के बाद, उन्हें भारतीय सिनेमा के फलक पर एक असाधारण दर्जा प्राप्त है और वह उन चंद अभिनेताओं में से एक हैं जिन पर कॉमिक बुक सीरीज बनी है।

3. श्री चक्रवर्ती लंबे समय से समाज सेवा और हॉस्पिटेलिटी के क्षेत्र में सक्रिय हैं और उन्होंने थैलेसीमिया नामक बीमारी से भी लगातार लड़ाई लड़ी और उसके बारे में जागरूकता फैलाई। वह 30 वर्षों तक एलायड मज़दूर यूनियन के चेयरमैन रहे और सिने व टीवी कलाकार संघ सिनटा (CINTAA) के अध्यक्ष भी रहे। मुंबई में सिने कर्मियों के कल्याण के लिए उनके अग्रणी कार्य को भारतीय फिल्म उद्योग में काफी सराहना मिली है।

4. श्री चक्रवर्ती वित्त वर्ष 1994–95 से वित्तीय वर्ष 1998–99 तक भारत के सबसे अधिक आयकर देने वाले व्यक्तियों में से एक रहे हैं और राष्ट्र निर्माण में उनके इस योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा मेरिट सर्टिफिकेट भी प्रदान किया गया। उन्होंने छोटे और मध्यम बजट का सिनेमा बनाने की शुरुआत की और इस प्रकार उन्होंने अधिक कुशल लोगों के लिए फिल्म उद्योग के दरवाजे खोलते हुए नवोदित निर्माताओं, निर्देशकों और अभिनेताओं के लिए बड़े अवसर भी पैदा किए। वह पहले अभिनेता हैं जिन्होंने लड़कियों और लड़कों को आत्मरक्षा कला में प्रशिक्षण के साथ–साथ शारीरिक फिटनेस के लिए दैनिक रूटीन के लिए प्रेरित किया। फिल्म डिस्को डांसर के उनके गाने रिलीज के बाद से ही धूम मचा रहे हैं और इसके गाने जिमी जिमी के नाम पर कोविड काल के दौरान सबसे ज्यादा रील्स बनने का रिकॉर्ड है। उन्हें फिल्म उद्योग का सबसे प्रभावशाली शख्सियत चुना गया है और वह दुनिया भर में भारतीय संस्कृति को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं।

5. श्री चक्रवर्ती ने अपने अभिनय के लिए कई पुरस्कार जीते हैं जिनमें फिल्मफेयर, स्क्रीन और कई क्रिटिक अवार्ड शामिल हैं। उन्होंने प्रतिष्ठित पब्लिशिंग हाउसों और फिल्म क्रिटिक्स एसोसिएशन से अभिनय में कई पुरस्कार जीते हैं।